किया जाना चाहिये ताकि प्रार्थियों को पारपत्र आसानी से और निश्चित समय में मिल सकें; और

(ख) यदि हां, तो इन आदेशों को अमल में लाने के लिये क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह): (क) जी, हां ।

(ख) विदेश मंत्रालय ने संशोधित पासपोर्ट नियमों का एक ममौदा तैयार किया है जिस पर गृह मंत्रालय के परामर्श से विचार किया गया है । चूंकि कई अन्य मंत्रालयों की भी इसमें दिलचस्पी है इसलिए निकट भविष्य में एक अंतर्मंत्रालय बैठक आयोजित करने का विचार है जिसमें इसे अन्तिम रूप दिया जायेगा । इसके बाद नये नियमों पर अमल करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाये जायेंगे ।

Naval Unit at Mangalore Port

1862. Shri Basappa: Will the Minister of **Defence** be pleased to state:

(a) whether the Naval authorities have visited Mangalore and found that place suitable for the establishment of a Naval unit there; and

(b) if so, whether the establishment of a Naval Unit will be taken up at Mangalore after the completion of the Mangalore Port?

The Minister of Defence (Shri Y. B. Chavan): (a) and (b). As there is no plan at present for the naval development of Mangalore, the suitability of the Port for the establishment of a naval unit has not been investigated so far.

राष्ट्रीय पोषाहार सलाहकार समिति

1863. श्री बृजराज सिंह : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) श्रमिक वर्ग के परिवारों के लिये पौष्टिक तत्वों की आवश्यकताओं के सम्बन्ध में राष्ट्रीय पोषाहार सलाहकार समिति द्वारा बनाई गई उप-समिति की कितनी सिफारिशों को सरकार ने स्वीकार कर लिया है;

(ख) उनका विवरण क्या है; और

(ग) उनको क्रियान्वित करने के लिये सरकार क्या उपाय कर रही है ?

श्रम और रोजगार मंत्री (श्री दा० सञ्जीवैय्या) (क) से (ग). उप-समिति की मुख्य सिफारिशें इस प्रकार हैं:—

(1) पौष्टिक तत्वों की आवश्यकताओं का मूल्यांकन करने के लिए परिवार को यूनिट के रूप में और न कि औद्योगिक मजदूरों के रूप में लेना चाहिए ।

(2) पौष्टिक तत्वों की आवश्यकताओं की संगणना करने के लिए स्टैंडर्ड श्रमिक वर्ग परिवार को उपार्जक सहित तीन उपभोक्ता यूनिट समझना चाहिए ।

(3) सारे परिवार की न्यूनतम आवश्यकताओं की संगणना कारखानों और बागानों में मजदूरों के परिवारों के प्रति वयस्क उपभोक्ता यूनिट 2 750 केलोरीस की वास्तविक ग्रहण-शक्ति के आधार पर होनी चाहिए ।

(4) खानों और भारी औद्योगिक व्यवसायों में मजदूरों के लिए विशिष्ट अतिरिक्त छूट दी जानी चाहिए ।

(5) समिति ने विभिन्न क्षेत्रों के लिए आहार अनुसूचियां दर्शाई हैं । समिति ने यह भी सुझाव दिया है कि केवल आहार अनुसूचियां निर्धारित करना ही काफी नहीं है परन्तु वास्तविक लाभ के लिए इसमें पूर्व औद्योगिक कामगरों जैसे संगठित व्यक्तियों को स्वास्थ्य और पोषाहार में लगातार शिक्षा देना आवश्यक होगा ।

उक्त पैरा (5) के अनुसार स्वास्थ्य और पोषाहार में सुधार करने के लिए औद्योगिक मजदूरों को शिक्षित करने हेतु उपाय निकालने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय में एक समिति स्थापित की जा रही है ।

यह रिपोर्ट चौथी योजना सम्बन्धी श्रम पैनल के सामने भी रख दी गई है ताकि चौथी योजना के लिए उचित सिफारिशें तैयार करने के लिए इसे शामिल किया जा सके ।

भारत के प्रति इजराइल का रवैया

1864. **श्री सिद्धेश्वर प्रसाद** : क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत पर पाकिस्तानी हमले के समय इजराइल ने क्या रवैया अपनाया था;

(ख) काश्मीर विवाद के बारे में इजराइल ने क्या नीति अपनाई थी; और

(ग) भारत पर चीन के हमले के समय उस देश ने क्या रवैया अपनाया था ?

वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) : (क) और (ख). इसराइल का रवैया उसके प्रतिनिधि के वक्तव्य के नीचे लिखे अंश से प्रकट होता है; यह वक्तव्य उन्होंने 7 अक्तूबर 1965 को महासभा के बीसवें अधिवेशन में आम बहस के समय दिया था :

> "दूसरे विश्वयुद्ध के बाद क़रीब 50 तथाकथित "स्थानीय युद्ध" हुए हैं । इसका सबसे ताज़ा उदाहरण काश्मीर को लेकर हुई लड़ाई है जो सुरक्षा परिषद् के युद्ध-विराम सम्बन्धी सर्वसम्मत प्रस्ताव के परिणामस्वरूप और लगन तथा निःस्वार्थभाव से काम करने वाले महासचिव के शान्ति मिशन के कारण अब बन्द हो रही है, हमारी प्रार्थना है कि यह बन्द हो । इन लड़ाइयों ने जिन हज़ारों स्त्रियों का उनसे सुहाग छीन लिया है, बच्चों को अनाथ कर दिया है क्या उन्हें इस विचार से सान्त्वना मिल सकती है कि उनके दुःख का कारण सिर्फ़ एक स्थानीय लड़ाई है ? क्या यह याद दिलाने की जरूरत है कि इनके कारण कितना नाश हुआ है, अथवा कितने हज़ार एकड़ भूमि जला कर राख कर दी गई है ? यह तो कोई नहीं जानता कि किस तरह विश्वयुद्ध भड़क उठे, लेकिन इसका अंजाम क्या होगा यह सब जानते हैं । जहां तक स्थानीय युद्ध का सवाल है हम जानते हैं कि उनके अंजाम क्या हो सकते हैं ।"

(ग) भारत पर चीन के आक्रमण के समय इसराइल ने हम से कहा था कि इस सीमा विवाद के विभिन्न स्तरों पर भारत ने जो संयम और धैर्य दिखाया है उसका हम पूरी तरह समर्थन करते हैं ।

टैंकों और मशीनरी की मरम्मत

1866. **श्री गुलशन** : क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पंजाब के कुछ उद्योगपतियों ने भारत सरकार से यह पेशकश की है कि वे हाल के भारत-पाकिस्तान संघर्ष में खराब हुए टैंकों तथा अन्य मशीनरी की मरम्मत करने को तैयार हैं ; और

(ख) यदि हां, तो कितने उद्योग-पतियों को यह काम सौंपा गया है ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री यशवन्तराव चव्हाण) : (क) पंजाब समेत विभिन्न राज्यों में कई पार्टियों ने गाड़ियों और मशीनों इत्यादि की मरम्मत के लिए अपनी सेवाएं अर्पित की हैं । टैंकों की मरम्मत के लिए कोई विशिष्ट पेशकश प्राप्त नहीं हुई है ।

(ख) कुछ गाड़ियों की मरम्मत पंजाब में कई विभिन्न निजी पार्टियों को सौंपी गई थी । इन पार्टियों की